पेज 53

प्रश्न 1:
केनाल किरणें क्या हैं?

उत्तर 1:
केनाल किरणें धनावेशित विकिरण हैं जो प्रोटॉनों से मिलकर बनी होती हैं। इसकी खोज 1886 में ई. गोल्डस्टीन ने की थी।

प्रश्न 2:
यदि किसी परमाणु में एक इलेक्ट्रान और एक प्रोटॉन है, तो इसमें कोई आवेश होगा या नहीं?

उत्तर 2:
प्रोटॉन पर जितना धनात्मक आवेश होता है इलेक्ट्रॉन पर उतना ही ऋणात्मक आवेश होता है। अतः यदि किसी परमाणु में एक इलेक्ट्रान और एक प्रोटॉन है, तो इसमें कोई आवेश नहीं होगा। परमाणु विधुत उदासीन होगा।